विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

कोड नं. : 18

विषयः मैथिली

पाठ्यक्रम

यूनिट(Unit)-I
मैथिली साहित्यक इतिहास

आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल, ज्योतिरीश्वर, विद्यापति, उमापति, मनबोध, चन्दा झा, लालदास, सीताराम झा, रघुनन्दन लालदास।

पत्र-पत्रिका– मिथिला मोद, मिथिला मिहिर, मैथिली साहित्य-पत्र, वैदेही, स्वदेश, मिथिला भारती, मिथिला दर्शन, कर्णामृत, घर-बाहर।

यूनिट(Unit)- II
काव्यशास्त्र

काव्यक लक्षण, प्रयोजन, कारण, भेद, शब्दशक्ति, रस, गुण, रीति, अलंकार (अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति, अप्रस्तुत-प्रशंसा, समासोक्ति, संदेह, भ्रान्तिमान, विषम, वक्रोक्ति), छंद (अनुष्टुप्, भुजंगप्रयात्, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, दोहा, सोरठा, चौपाइ, कुण्डलिया, रोला, हरिगीतिका)।

यूनिट(Unit)- III
भाषाविज्ञान

भाषाक परिभाषा, भाषोत्पत्ति, भाषाक परिवर्तनशीलता, मैथिलीक उद्भव ओ विकास, भारोपीय भाषा परिवारमे मैथिलीक स्थान, भाषा ओ बोली, शब्दक विकासक्रम।

यूनिट(Unit)- IV

विद्यापति ओ चन्दा झा

विद्यापति– सामयिक परिवेश, रचना, प्रतिभा, प्रभाव, धार्मिक चेतना, प्रकृति-प्रेम, लोकप्रियता, वयः सन्धि, पूर्वराग, अभिसार, मान, विरह, अनुसरण।

चन्दा झा युगप्रवर्त्तन, रचना, रामकाव्य, नचारी-महेसबानी, गद्य-अनुवाद, सामाजिक चेतना, अनुसंधान, भाषा-शैली, छंद-विधान, लोकोक्ति।

यूनिट(Unit)- V

महाकाव्य एवं खण्डकाव्य

महाकाव्य– मिथिलाभाषा रामायण, रमेश्वरचरित मिथिला रामायण, एकावली-परिणय, सुभद्रा-हरण, अम्बचरित, चाणक्य, कृष्णचरित, शकुन्तला(चन्द्रभानु सिंह), प्रतिज्ञा पाण्डव।

खण्डकाव्य– शकुन्तला (दामोदर लालदास), भारती, पतन, उत्तरा, उत्सर्ग, एकलव्य, नोर।

यूनिट(Unit)- VI

मुक्तककाव्य

सीताराम झा, काशीकान्त मिश्र 'मधुप', सुरेन्द्र झा 'सुमन', यात्री, आरसी प्रसाद सिंह, चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर', उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन', जीवकान्त, भीमनाथ झा, कीर्ति नारायण मिश्र।

यूनिट(Unit)- VII

नाटक

नेपाल (मध्यकालीन नाटक), असम (मध्यकालीन नाटक), मिथिला (मध्यकालीन नाटक), आधुनिक मैथिली नाटक एवं एकांकी, जगज्ज्योतिर्मल्ल, शंकरदेव, उमापति, ईशनाथ झा, सुधांशु 'शेखर' चौधरी, रामदेव झा, महेन्द्र मलंगिया, उदय नारायण सिंह 'नचिकेता', अरविन्द 'अक्कू'।

यूनिट(Unit)- VIII

उपन्यास एवं कथा

हरिमोहन झा, यात्री, उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास,' ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', राजकमल चौधरी, लिली रे, प्रभास कुमार चौधरी, मायानन्द मिश्र, मनमोहन झा ('अश्रुकण'क रचनाकार), रमानन्द रेणु, केदारनाथ चौधरी, विद्यानाथ झा 'विदित'।

यूनिट(Unit)- IX

निबन्ध

ज्योतिरीश्वर, रमानाथ झा, गोविन्द झा, काञ्चीनाथ झा 'किरण', सुभद्र झा, जयकान्त मिश्र, सुधांशु 'शेखर' चौधरी, राधाकृष्ण चौधरी, शैलेन्द्र मोहन झा, हंसराज।

यूनिट(Unit)- X

समालोचना एवं लोकसाहित्य

समालोचना– रमानाथ झा, जयधारी सिंह, प्रेमशंकर सिंह, राजमोहन झा, मोहन भारद्वाज, रमानन्द झा 'रमण', फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'।
लोकसाहित्य- लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकोक्ति, लोकनाट्य।